Smart village

आधुनिक तकनीक हमारी पहचान- इनसे बनें गाँव महान !!!!

अवधारणा :: एक ऐसा गाँव, जहाँ प्राचीन ज्ञान एवं नवीन तकनीक का सहयोग लेकर समग्र विकास का प्रबंध हो तथा संस्कार युक्त, व्यसन मुक्त, स्वस्थ, स्वच्छ, सुशिक्षित, स्वावलंबी तथा सहयोग-सहकार से भरेपूरे गाँव के रूप में उसका विकास हो सके।

भारत के ग्रामों का आधुनिक तकनीकी पद्धतियों से नूतन ग्राम के रूप में विकास करने हेतु निम्न उपाय जो भारत की जमीनी हकीकत एवं आवश्यकता के अनुरूप हैं उनके द्वारा लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है-

- ***संस्कार युक्त*** :: ग्रामवासियों के नैतिक सामाजिक व सांस्कृतिक विकास हेतु नवीन तकनीकों का प्रयोग- सांध्यकालीन नैतिक कक्षा हेतु वीडियो प्रदर्शन, भारतीय फिल्म डिवीजन की महापुरुषों की लघु फिल्में, स्वच्छता, मानवीय मूल्यों के विकास हेतु नाटक, वीडियो आदि। गाँवों में जन सूचना व्यवस्था (P A S) लगाना जिस पर प्रतिदिन अमृतवाणी, भजन संगीत आदि चलें।
- ***व्यसन मुक्त/कुरीति मुक्त*** :: नशामुक्ति की प्रदर्शनी लगाना, इसके अतिरिक्त वीडियो के साथ ही पुरानी एवं सस्ती तकनीक- Slide projector का उपयोग सहजता से किया जा सकता है। अंधविश्वास निवारण के प्रयोगों से लोगों को समझाया जा सकता है।
- ***स्वस्थ*** :: पेयजल शुद्धता हेतु उपचार करना, (potessium permanganet, clorine, bleeching), हमेशा काम के बाद अच्छे साबुन से हाथ साफ करने की आदत बनाना, वनौषधि आधारित प्राथमिक चिकित्सा बक्से की प्रचुर उपलब्धता कराना, सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की उचित व्यवस्था, e-medicine, घरों में भोजन बनाने हेतु आधुनिक उपकरण- प्रेशर कुकर, सोलर कुकर आदि का प्रयोग, बच्चों के लिये एक पूर्ण साधनयुक्त देशी व्यायामशाला का निर्माण।
- ***स्वच्छ*** :: हर घर में शुष्क शौचालय का निर्माण , गंदे पानी के निस्तारण हेतु सोकपिट का निर्माण, Primary treatment plant का निर्माण - साधनों की उपलब्धता पर, नाली प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व उससे खाद निर्माण की व्यवस्था, गोबर गैस संयत्र, गाँव की गलियों में ईंटों का पथ बनवाना/खडंजा लगवाना, सौर ऊर्जा/ गोबर / बायो गैस की बत्तियों की व्यवस्था।
- ***सुशिक्षित*** :: स्कूलों में संगणक कक्षाओं की अनिवार्यता, e-learning/mobile learning/mobile school van, भारत सरकार का किसान सेवा केन्द्र, किसान कियोस्क बनवाना, Soil testing kits/mobile labs की व्यवस्था बनवाना, स्कूल में सुसज्जित प्रयोगशाला की व्यवस्था, अद्यतन जानकारी के लिये समय समय पर विशेषज्ञों की कार्यशाला/गोष्ठियाँ/कार्यशाला चलवाना।

- ***स्वावलंबी*** :: लघु/कुटीर उद्योगों हेतु प्रशिक्षण, उत्पादन/विपणन की सुयोग्य व्यवस्था, product processing/grading unit, food processing (tomato, potato etc) training, छोटे छोटे सहायक यांत्रिक उपकरणों का प्रयोग जिससे श्रम में मदद मिले, उसका प्रतिस्थापन न हो एवं कम मेहनत से अधिकतम परिणाम मिले।
- ***सहकार–सहयोग से भरा पूरा*** :: गाँव की आवश्यकताओं की पूर्ति गाँव में ही, सामुदायिकता/सहकारिता के विकास हेतु संयुक्त व्यवस्था हो जिसमें उस से सभी को लाभ मिले जैसे – केन्द्रीयकृत जल प्रदाय व्यवस्था, कचरा प्रबंधन, सामुदायिक सौर/पवन ऊर्जा केन्द्र, सामुदायिक विकास केन्द्र बनाना जिसमें त्योहार पर्व, विवाह या अन्य पारिवारिक आयोजन हों, कृषि कार्यों हेतु सहकारी आधार पर बड़े उपकरण जैसे ट्रैक्टर, बड़े थ्रेशर, Combine harvestor, सहकारी किराना भण्डार, सामूहिक अन्न भण्डार, सहकारी समितियाँ, वित्त व्यवहारों हेतु स्व सहायता समूह बनाना।

सारांश :: उपरोक्त उपायों के द्वारा गाँव को आदर्श स्थिति में लाया जा सकता है। प०पू० गुरुजी ने अपनी एक पुस्तक में इसके लिये एक पंचवर्षीय योजना का मार्ग सुझाया है जिसमें लगभग २५ कार्य किये जाने होते हैं जिन्हें पांच पांच करके पांच वर्षों में संपन्न किया जा सकता है। उपरोक्त का सारांश यही है कि यदि तकनीक का योग्य उपयोग किया जाये तो आधुनिक उपाय अपना कर हम अपने गाँवों को भी आधुनिक बना सकते हैं।

5०5०5०5०5०5०